D. El. Ed. IInd Sem.

Subject :- S. Sc.

Topic :- ज्वालामुखी से मानव जीवन को हानियाँ

1. धन-जान का विनाश

ज्वालामुखी के उद्गार के फलस्वरूप अपार धन-जन की हानि होती है। 1883 ई० मे ज्वालामुखी के विस्फोट के फलस्वरूप क्राकाटोआ द्वीप (जावा-सुमात्रा द्वीपों के मध्य) टुकड़े-2 हो गया था। तथा लगभग 36,000 व्यक्ति काल-कवलित हो गए थे। 1870 ई० मे इटली के पोम्पियाई तथा हरकुलेनियम नगर विसुवियस ज्वालामुखी के विस्फोट के कारण पूर्णतः नष्ट हो गए थे।

2 भूकम्पो की उत्पत्ति

ज्वालामुखी के अनायास विस्फोट के समय पृथ्वी मे कम्पन होने लगता है। जिससे भूकम्प आ जाते है। भूकम्पो से भी अपार धन-जन की हानि होती है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

3 उपजाऊ भूमि का ह्रास

ज्वालामुखी के विस्फोट के समय पिघलता हुआ तप्त लावा दूर-2 तक उपजाऊ कृषि योग्य भूमि पर फैलकर उसे कृषि के अयोग्य बना देता है। इस प्रकार उपजाऊ भूमि का ह्रास होता है।

4 सभ्यता का अन्त

ज्वालामुखी उद्गार के कारण कभी-2 पूरे के पूरे नगर नष्ट हो जाते हैं। इन नगरो के नष्ट होने के साथ-2 ही इनकी सभ्यता एवं संस्कृतियां भी समाप्त हो जाती है, इसलिए ज्वालामुखी को "सभ्यता का शत्रु" भी कहा जाता है।

Thankyou

by
mr. Parveen Raj
Assi. Prof.
B.R.C.D. (SRE)

Scanned with CamScanner